दैनिक भास्कर जींद भास्कर 19-02-2026

न्यूज ब्रीफ

युवाओं में डोपिंग व नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 27 फरवरी को

जींद| चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में 27 फरवरी को युवा जोखिम में डोपिंग एवं नशीली दवाओं का दुरुपयोग विषय पर अंतरराष्ट्रीय बहु-विषयी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन के ब्रोशर का विमोचन हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर रामपाल सैनी ने संयुक्त रूप से किया। सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं में बढ़ते डोपिंग और नशीली दवाओं के दुरुपयोग जैसी गंभीर समस्या पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संवाद स्थापित करना है। इस मंच पर शिक्षाविद, शोधकर्ता, नीति-निर्माता, खेल व स्वास्थ्य विशेषज्ञ समाधान की दीर्घकालिक रणनीतियों पर विचार-विमर्श करेंगे। कुलगुरु प्रो. सैनी ने कहा कि युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं और उन्हें नशे से बचाना सामूहिक जिम्मेदारी है।

जींद. सीएम सैनी को ब्राउसर देते वीसी प्रो रामपाल सैनी।

Jind Kesari

Feb 19, 2026

पंजाब केसरी

सी.आर.एस.यू. में अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयी सम्मेलन 27 को

जींद, 18 फरवरी (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय द्वारा युवाओं में डोपिंग एवं नशीली दवाओं के बढ़ते दुरुपयोग जैसी गंभीर और समकालीन चुनौती पर केंद्रित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बहु-विषयी सम्मेलन का आयोजन 27 फरवरी को किया जा रहा है।

युवा जोखिम में, डोपिंग एवं नशीली दवाओं का दुरुपयोग विषय पर आधारित यह सम्मेलन वर्तमान समय की एक अत्यंत संवेदनशील समस्या पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गंभीर विमर्श का मंच प्रदान करेगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रो. (डॉ.) राम पाल सैनी द्वारा सम्मेलन के ब्रोशर का विधिवत विमोचन किया गया। यह अवसर युवाओं की सुरक्षा, जागरूकता और स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

वी.सी. ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की शक्ति, ऊर्जा और उज्ज्वल भविष्य के प्रतीक होते हैं। जब वे नशीली दवाओं और प्रदर्शन बढ़ाने वाले प्रतिबंधित पदार्थों के प्रभाव में आते हैं, तो उनके शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक जीवन पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ता है।

डोपिंग न केवल खेल की पवित्र भावना के विपरीत है, बल्कि यह नैतिकता, ईमानदारी और अनुशासन के मूल्यों को भी आघात पहुंचाती है। अत: इस समस्या के समाधान हेतु जागरूकता, वैज्ञानिक शोध, नीति-निर्माण और सामाजिक सहभागिता अत्यंत आवश्यक है।

यह सम्मेलन शिक्षाविदों, शोधकर्त्ताओं, नीति-निर्माताओं, खेल विशेषज्ञों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों एवं सामाजिक कार्यकर्त्ताओं को एक सांझे मंच पर लाकर बहु-विषयी दृष्टिकोण से इस चुनौती का समाधान खोजने का प्रयास करेगा।

सम्मेलन के माध्यम से दीर्घकालिक रणनीतियों, प्रभावी नीतियों एवं सामूहिक प्रयासों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। कुलगुरु ने कहा कि युवा हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं। यदि हम उन्हें नशे और डोपिंग जैसी बुराइयों से सुरक्षित नहीं रख पाए, तो एक सशक्त और विकसित भारत की परिकल्पना अधूरी रह जाएगी।

शिक्षण संस्थानों का दायित्व केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों, अनुशासन और स्वस्थ जीवन शैली प्रति प्रेरित करना भी है। डोपिंग और नशीली दवाओं का दुरुपयोग एक सामाजिक चुनौती है, जिसके समाधान के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। शिक्षा, परामर्श, शोध और जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से ही हम युवाओं को सही दिशा दे सकते हैं। यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कठोर नीतियां, निरंतर जागरूकता और सामाजिक सहयोग के माध्यम से ही हम युवाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान कर सकते हैं।

एन.एस.एस. कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नवीन लाडवाल ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक चेतना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है।

नशा मुक्ति को जन-आंदोलन का रूप देकर ही हम व्यापक सामाजिक परिवर्तन ला सकते हैं। यह सम्मेलन युवाओं में बढ़ते डोपिंग एवं नशीली दवाओं के खतरे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने, संवाद को सुदृढ़ करने तथा सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। हम सभी का सांझा संकल्प होना चाहिए। नशामुक्त, स्वस्थ एवं सशक्त युवा ही एक मजबूत, प्रगतिशील और समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला है।

अमर उजाला

Date-19.02.2026

युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं : प्रो. राम पाल

सीआरएसयू में डोपिंग और नशा मुक्ति पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 27 को

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की तरफ से युवाओं में बढ़ती डोपिंग और नशीली दवाओं के दुरुपयोग जैसी चुनौती पर प्रहार करने के लिए पहल की गई है। 27 फरवरी को विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय बहु विषयी सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के आधिकारिक ब्रोशर का विमोचन हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. रामपाल सैनी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य खेल जगत में प्रदर्शन बढ़ाने वाली प्रतिबंधित दवाओं (डोपिंग) और समाज में फैलते नशे के जाल के खिलाफ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावी विमर्श तैयार करना है।

डोपिंग न केवल खेल की नैतिकता और अनुशासन को चोट पहुंचाती है बल्कि युवाओं के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। यह सम्मेलन शिक्षाविदों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, खेल प्रशिक्षकों और नीति-निर्माताओं को एक साझा मंच प्रदान करेगा ताकि इस समस्या का वैज्ञानिक और सामाजिक समाधान खोजा जा सके।

मुख्यमंत्री नायब सैनी को आमंत्रित करते कुलपति डॉ. रामपाल सैनी। स्रोत: विवि

कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने कहा यदि हम युवाओं को नशे की गर्त से नहीं बचा पाए, तो विकसित भारत का सपना अधूरा रह जाएगा। शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी केवल डिग्री देना नहीं बल्कि विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना भी है। कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि नशे के खिलाफ कठोर नीतियों के साथ-साथ सामाजिक सहयोग की भी अत्यंत आवश्यकता है।

वहीं एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नवीन लाडवाल ने विश्वास जताया कि नशा मुक्ति को जन-आंदोलन बनाकर ही समाज में व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है। यह सम्मेलन शोध पत्रों, चर्चाओं और सामूहिक संकल्प के माध्यम से एक ऐसी रणनीति तैयार करेगा जिससे युवाओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि एक नशामुक्त और सशक्त युवा वर्ग ही प्रगतिशील समाज का निर्माण कर सकता है।

युवा शक्ति हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी : प्रो. रामपाल सैनी

जागरण संवाददाता ● जींद : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामपाल सैनी ने सम्मेलन के ब्रोशर का विमोचन किया। कुलपति ने कहा कि युवा हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं। यदि हम उन्हें नशे और डोपिंग जैसी बुराइयों से सुरक्षित नहीं रख पाए तो एक सशक्त और विकसित भारत की परिकल्पना अधूरी रह जाएगी।

शिक्षण संस्थानों का दायित्व केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों, अनुशासन और स्वस्थ जीवन शैली के प्रति प्रेरित करना भी है। डोपिंग और नशीली दवाओं का दुरुपयोग एक सामाजिक चुनौती है, जिसके समाधान के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। शिक्षा, परामर्श, शोध और जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से ही हम युवाओं को सही दिशा दे सकते हैं।

यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह अवसर युवाओं की सुरक्षा, जागरूकता और स्वस्थ भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। कुलपति

मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ मौजूद चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामपाल सैनी। ● सौजन्य सीआरएसयू

प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय द्वारा युवाओं में डोपिंग व नशीली दवाओं के बढ़ते दुरुपयोग जैसी गंभीर और समकालीन चुनौती पर केंद्रित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बहु-विषयी सम्मेलन का आयोजन 27 फरवरी को किया जा रहा है। युवा जोखिम में डोपिंग एवं नशीली दवाओं का दुरुपयोग विषय पर आधारित यह सम्मेलन वर्तमान समय की एक अत्यंत संवेदनशील समस्या पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर विमर्श का मंच प्रदान करेगा।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Jind - 19 Feb 2026 - Pa

विवि में अंतराष्ट्रीय बहु विषयी सम्मेलन 27 को

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि द्वारा युवाओं में डोपिंग एवं नशीली दवाओं के बढ़ते दुरुपयोग जैसी गंभीर और समकालीन चुनौती पर केंद्रित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बहु विषयी सम्मेलन का आयोजन 27 को किया जा रहा है। युवा जोखिम में, डोपिंग एवं नशीली दवाओं का दुरुपयोग विषय पर आधारित सम्मेलन वर्तमान की संवेदनशील समस्या पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर विमर्श का मंच प्रदान करेगा।